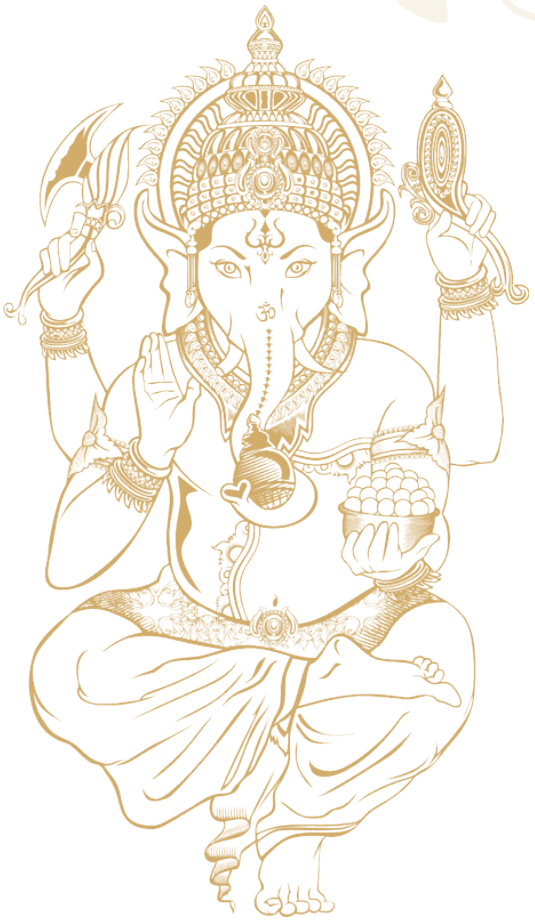

Sn

20 Jan 2026

10:59 AM

Delhi Chakla

Model: web-freekundliweb

Order No: 120986004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/01/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:59:00 घंटे**
इष्ट	09:00:28 घटी
स्थान	**Delhi Chakla**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	23:02:00 उत्तर
रेखांश	72:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:39:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:19:20 घंटे
वेलान्तर	-00:10:57 घंटे
साम्पातिक काल	18:17:47 घंटे
सूर्योदय	07:22:48 घंटे
सूर्यास्त	18:18:47 घंटे
दिनमान	10:55:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:56:09 मकर
लग्न के अंश	11:42:57 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्धि
करण	बालव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खो-खोकरन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	11:42:57	480:57:31	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	---
सूर्य			मक	05:56:09	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मक	22:12:02	12:45:32	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	03:19:05	00:46:41	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध		अ	मक	04:59:55	01:40:00	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:34:12	00:07:48	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	09:10:12	01:15:25	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	03:20:01	00:05:07	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:55:48	00:03:11	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:55:48	00:03:11	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:19:59	00:00:46	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:37:17	00:01:21	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:05:51	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	09:51:35	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

लग्न-चलित

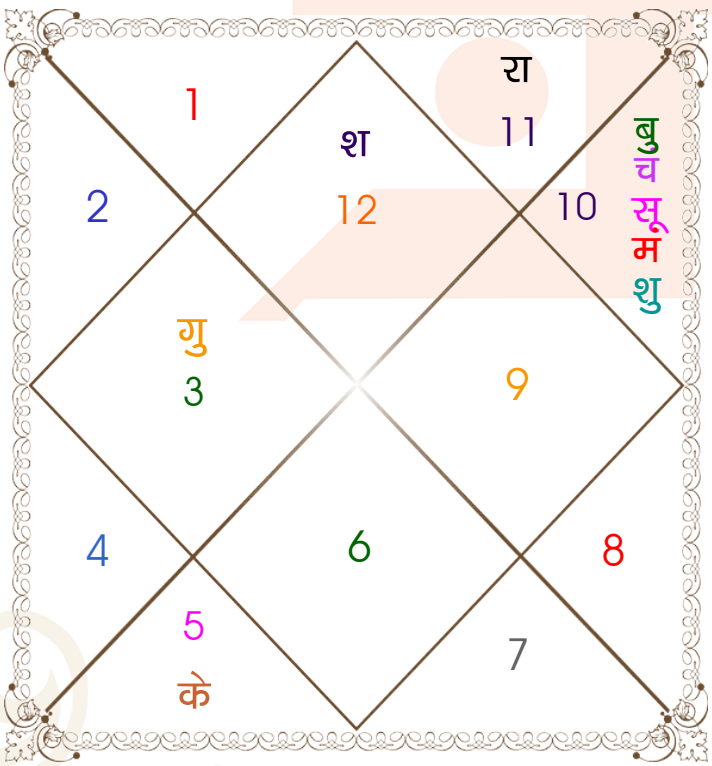

चन्द्र कुंडली

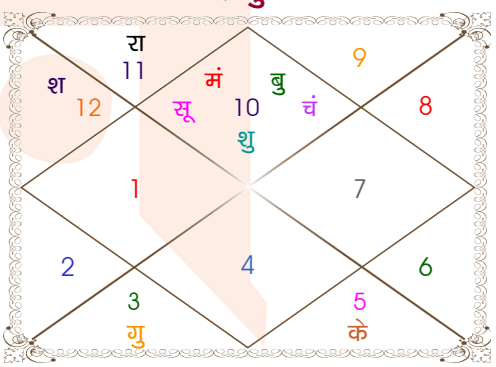

नवमांश कुंडली

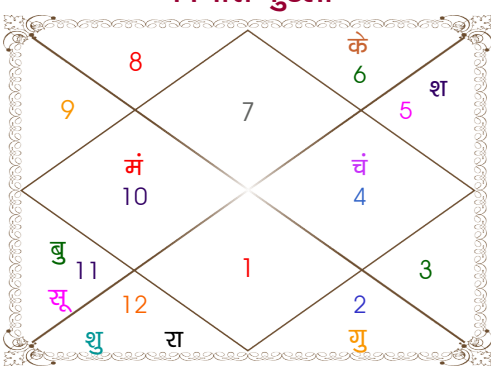

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 10 मास 5 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/01/2026		26/11/2026		26/11/2033		26/11/2051		26/11/2067	
26/11/2026		26/11/2033		26/11/2051		26/11/2067		26/11/2086	
	00/00/0000	मंगल	24/04/2027	राहु	08/08/2036	गुरु	14/01/2054	शनि	29/11/2070
	00/00/0000	राहु	12/05/2028	गुरु	02/01/2039	शनि	27/07/2056	बुध	08/08/2073
	00/00/0000	गुरु	18/04/2029	शनि	08/11/2041	बुध	02/11/2058	केतु	17/09/2074
	00/00/0000	शनि	28/05/2030	बुध	27/05/2044	केतु	09/10/2059	शुक्र	17/11/2077
	00/00/0000	बुध	25/05/2031	केतु	15/06/2045	शुक्र	09/06/2062	सूर्य	30/10/2078
	00/00/0000	केतु	21/10/2031	शुक्र	14/06/2048	सूर्य	28/03/2063	चंद्र	30/05/2080
	20/01/2026	शुक्र	20/12/2032	सूर्य	09/05/2049	चंद्र	27/07/2064	मंगल	09/07/2081
शुक्र	28/05/2026	सूर्य	27/04/2033	चंद्र	08/11/2050	मंगल	03/07/2065	राहु	15/05/2084
सूर्य	26/11/2026	चंद्र	26/11/2033	मंगल	26/11/2051	राहु	26/11/2067	गुरु	26/11/2086

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
26/11/2086		27/11/2103		27/11/2110		27/11/2130		27/11/2136	
27/11/2103		27/11/2110		27/11/2130		27/11/2136		00/00/0000	
बुध	24/04/2089	केतु	25/04/2104	शुक्र	29/03/2114	सूर्य	17/03/2131	चंद्र	27/09/2137
केतु	21/04/2090	शुक्र	25/06/2105	सूर्य	29/03/2115	चंद्र	15/09/2131	मंगल	28/04/2138
शुक्र	19/02/2093	सूर्य	31/10/2105	चंद्र	27/11/2116	मंगल	21/01/2132	राहु	28/10/2139
सूर्य	26/12/2093	चंद्र	01/06/2106	मंगल	27/01/2118	राहु	15/12/2132	गुरु	26/02/2141
चंद्र	28/05/2095	मंगल	28/10/2106	राहु	27/01/2121	गुरु	03/10/2133	शनि	27/09/2142
मंगल	24/05/2096	राहु	15/11/2107	गुरु	28/09/2123	शनि	15/09/2134	बुध	27/02/2144
राहु	11/12/2098	गुरु	21/10/2108	शनि	27/11/2126	बुध	23/07/2135	केतु	27/09/2144
गुरु	19/03/2101	शनि	30/11/2109	बुध	27/09/2129	केतु	27/11/2135	शुक्र	21/01/2146
शनि	27/11/2103	बुध	27/11/2110	केतु	27/11/2130	शुक्र	27/11/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 10 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।